ch- 5

28/10/2022

PANKAJ

Page No.:

Date : / /

⇒ उन्हें सिंडिकेट से निपटना पड़ा। 'सिंडिकेट' कांग्रेस के भीतर ताकतवर और प्रभावशाली नेताओं का समूह था। 'सिंडिकेट' ने इंदिरा गाँधी को प्रधानमंत्री बनवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

⇒ इंदिरा गाँधी ने बड़ी साहसिक रणनीति अपनायी। उन्होंने एक साधारण से सत्ता-संघर्ष को विचारधारात्मक संघर्ष में बदल दिया।

⇒ उन्होंने 1967 की मई में कांग्रेस कार्यसमिति ने उनके प्रभाव से दस-सूत्री कार्यक्रम अपनाया। इस कार्यक्रम में बैंको पर सामाजिक नियंत्रण, आम बीमा के राष्ट्रीयकरण शहरी संपदा और आय के परिसीमन, खाद्यान्न का सरकारी वितरण, भूमि सुधार तथा ग्रामीण गरीबों को आवासीय भूखंड देने के प्रावधान शामिल थे।

(ii) राष्ट्रपति पद का चुनाव, 1969 :—

⇒ सिंडिकेट और इंदिरा गाँधी के बीच खुलकर सन् 1969 में राष्ट्रपति के चुनाव के समय खुलकर सामने आ गई। इंदिरा गाँधी की असहमति के बावजूद उस वर्ष सिंडिकेट ने तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष नीलम संजीव रेड्डी को कांग्रेस पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में खड़ा करवाने में सफलता पाई।

⇒ इंदिरा गाँधी ने वी. वी. गिरि को राष्ट्रपति पद के लिए नामांकन भरने के लिए उकसाया। आखिरकार राष्ट्रपति पद के चुनाव में वी. वी. गिरी ही विजयी हुए।

⇒ सन् 1969 के नवंबर तक सिंडिकेट की अगुवाई करने वाले खेमें को कांग्रेस (ऑर्गनाइजेशन) और इंदिरा गाँधी की अगुवाई वाले खेमे को कांग्रेस (रिक्विजिनिस्ट) कहा जाने लगा।

PANKAJ
Page No.:
Date : / /

इन दोनों दलों को क्रमश 'पुरानी कांग्रेस' और 'नई कांग्रेस' भी कहा जाता था।

⇒ इंदिरा गांधी ने 'प्रिवीपर्स' को समाप्त करने जैसी बड़ी नीति की घोषणा की। यह भूतपूर्व राजा-महाराजाओं को प्राप्त विशेषाधिकार था, जिसके अन्तर्गत प्रावधान था कि रियासतों के तत्कालीन शासक परिवार को निश्चित मात्रा में निजी संपदा रखने का अधिकार होगा।

(4.) 1971 का चुनाव और कांग्रेस का पुनर्स्थापन :—

⇒ जनादेश हासिल करने की गरज से इंदिरा गाँधी की सरकार ने 1970 के दिसंबर में लोकसभा भंग करने की सिफ़ारिश की। यह भी एक आश्चर्यजनक और साहसिक कदम था। लोकसभा के लिए पाँचवे आम चुनाव 1971 के फ़रवरी माह में हुए।

(i) मुकाबला :—

⇒ चुनावी मुकाबला कांग्रेस (R) के विपरीत जान पड़ रहा था। सभी बड़ी गैर-साम्यवादी और गैर-कांग्रेसी विपक्षी पार्टियों ने एक चुनावी गठबंधन बना लिया था। इसे 'ग्रैंड अलायंस' कहा गया। इससे इंदिरा गांधी के लिए स्थिति और कठिन हो गई।

⇒ इंदिरा गांधी ने लोगों के सामने एक सकारात्मक कार्यक्रम रखा तथा इसे अपने प्रसिद्ध नारे "गरीबी हटाओ" के जरिए स्वरूप प्रदान किया। 'गरीबी हटाओ' का नारा और इससे जुड़ा हुआ कार्यक्रम इंदिरा गांधी की राजनीतिक रणनीति थी।

(ii) परिणाम और उसके बाद :—

⇒ कांग्रेस (R) और सी पी आई को लोकसभा की 375 सीटें मिली और इसने कुल 48.4 प्रतिशत वोट हासिल किए। इस गठबंधन

को चुनावों में सफलता मिली। अकेले इंदिरा गाँधी की कांग्रेस(R) को 352 सीटें और 44% वोट हासिल किए थे। विपक्षी 'ग्रैंड अलायंस' धाराशायी हो गया था। इस 'महागठबंधन' को 40 से भी कम सीटें मिली थीं।

⇒ सन् 1971 के चुनावों के बाद पूर्वी पाकिस्तान में संकट पैदा हुआ तथा भारत - पाक के मध्य युद्ध छिड़ गया। इसके परिणामस्वरूप बांग्लादेश बना। सन् 1972 के राज्य विधानसभा चुनावों में इंदिरा गांधी की पार्टी को व्यापक सफलता मिली।

(iii) कांग्रेस प्रणाली की पुनर्स्थापना :—

⇒ इंदिरा गांधी ने कांग्रेस प्रणाली को पुनर्स्थापित जरूर किया, लेकिन कांग्रेस प्रणाली की प्रकृति को बदलकर। कांग्रेस प्रणाली के भीतर हर तनाव और संघर्ष को झेलने की क्षमता थी।

⇒ कांग्रेस प्रणाली को इसी विशेषता की वजह से जाना जाता था। कांग्रेस ने अपनी पकड़ मजबूत की और इंदिरा गांधी की राजनीतिक हैसियत अप्रत्याशित रूप से बढ़ी।

★ आया राम - गया राम :— विधायकों द्वारा तुरत-फुरत पार्टी छोड़कर दूसरी - तीसरी पार्टी में शामिल होने की घटना को राजनीतिक शब्दकोश में 'आया राम - गया राम' कहा गया था

★ कामराज योजना :— सन् 1963 में उन्होंने प्रस्ताव रखा कि सभी वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं को इस्तीफा दे देना चाहिए ताकि अपेक्षाकृत युवा पार्टी कमान संभाल सकें।

PANKAJ
Page No.:
Date : / /

यह प्रस्ताव कामराज योजना के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

★ किंगमेकर :— राजा/सम्राट या प्रधानमंत्री आदि नेताओं के पद्दो पर बिठाने वाले प्रतिभाशाली नेतागणों को 'किंगमेकर' की संज्ञा दी जाती है। जैसे. 'सिंडिकेट' ने इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

★ इंदिरा गाँधी :— पं. जवाहर लाल नेहरू की पुत्री। लाल बहादुर शास्त्री की मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री बनी। इन्होंने प्रिवीपर्स को हटाया, 'गरीबी हटाओ' का नारा दिया। 31 अक्टूबर, 1984 को इनकी हत्या कर दी गयी।

★ एस. निजलिंगप्पा :— संविधान सभा के सदस्य रहे। इन्हें 'आधुनिक कर्नाटक का निर्माता' माना जाता है।

★ के. कामराज :— स्वतंत्रता सेनानी एवं कांग्रेस के नेता। इन्होंने मद्रास प्रान्त के मुख्यमंत्री रहते हुए स्कूली बच्चों के दोपहर के भोजन' देने की योजना लागू की।

★ राम मनोहर लोहिया :— स्वतंत्रता सेनानी, समाजवादी नेता एवं विचारक। गैर-कांग्रेसवाद के रणनीतिकार थे। पिछड़े वर्गों के आरक्षण का समर्थन दिया।

★ वी. वी. गिरी :— आन्ध्र प्रदेश के मजदूर नेता। भारत गणराज्य के राष्ट्रपति चुनाव में इंदिरा गाँधी के समर्थन से विजयी हुए।

★ कर्पूरी ठाकुर :— स्वतंत्रता सेनानी एवं समाजवादी नेता। बिहार के मुख्यमंत्री रहे एवं अंग्रेजी भाषा के प्रयोग का विरोध किया।

★ सी. नटराजन 'अन्नादुरई' :— पत्रकार, लेखक व वक्ता। हिन्दी विरोधी आन्दोलन किया।